अजमेर -जयपुर एक्सप्रेस हाइवे पर एल.पी.जी. से भरे टैंकर में आग लगने से हुए हादसे में भारी जान माल का नुकसान हुआ। खबर लिखे जाने तक 12 लोगों के मरने की जानकारी मिली हैं, हादसे में 35 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

गैस टैंकर-ट्रक भिडन्त में 12 ज़िंदा जले

एल.पी.जी. से भरे टैंकर में ब्लास्ट से 40 वाहन चपेट में आये, 7 घायल वेंटीलेटर पर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 20 दिसम्बर। अजमेर-जयपुर एक्सप्रेस हाईवे पर शुक्रवार सुबह एल.पी.जी. गैस से भरे टैंकर और ट्रक में भिड़ंत के बाद हुए ब्लास्ट में बारह लोग जलकर मर गए और 35 से अधिक लोग घायल हो गए। इनमें से 7 लोग फिलहाल सवाई मानसिंह अस्पताल में वेंटीलेटर पर हैं, जबकि अन्य 28-29 घायलों का बर्न यूनिट में उपचार चल रहा है। ग्यारह मृतकों में से सिर्फ 6 की पहचान हो पायी है, शेष 5 लोगों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

यह भीषण हादसा शुक्रवार अलसुबह करीब साढ़े 5 बजे भांकरोटा इलाके में दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने हुआ। गैस टैंकर में ब्लास्ट के बाद आग की लपटें करीब 500 मीटर दूर तक फैल गईं। पूरा इलाका आग की लपटों, धमाकों व घायलों की चीख-पुकार के भयावह मंजर से थर्रा उठा। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंचीं दमकलों, पुलिस, सिविल डिफेंस और एंबुलेंस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और शवों को वाहनों में से निकाला। हादसा इतना भीषण था कि देर शाम तक फायर बिग्रेड की गाड़ियां वाहनों में लगी आग को बुझाने में जुटी रहीं।

- **गैस टैंकर के पीछे चल रही लेकसिटी ट्रेवल्स की उदयपुर-जयपुर बस मिनटों में जल कर राख हो गई। बस मालिक के अनुसार, 32 में से 22 यात्रियों से बात हो गई। बाकी 10 से सम्पर्क नहीं हो पाया।**
- **हादसा इतना भीषण था कि आज सुबह से देर शाम तक फायर ब्रिगेड की गाड़ियाँ वाहनों में लगी आग बुझाने में जुटी रहीं।**

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि भारत पेट्रोलियम का टैंकर अजमेर से जयपुर की तरफ आ रहा था। सुबह करीब 5:44 बजे दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने टैंकर ने यू-टर्न लिया। इसी समय जयपुर से आ रहे एक ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। इस भिड़ंत के बाद टैंकर के 5 नॉजल टूट गए और 18 टन गैस लीक हो गई। लीक हुई गैस में आग लगी और इतना जोरदार धमाका हुआ कि 400 मीटर का इलाका आग के गोले में तब्दील हो गया। धमाके की आवाज़ डेढ़ किलोमीटर तक सुनाई दी। भीषण आग ने पलक झपकते ही 37 से ज्यादा वाहनों और करीब 50 लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। जो वाहन आग की चपेट में आए हैं, उनमें 7 ट्रेलर, 6 ट्रक, 8-8 कार व कंटेनर, 2-2 बस व पिकअप, बाइक, ऑटो व टैंकर शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि गैस टैंकर के पीछे चल रही उदयपुर-जयपुर की लेकसिटी ट्रैवल्स की बस भी चपेट में आ गई। बस में कुल 34 यात्री सवार थे। हादसा इतना भयावह था कि कुछ ही मिनटों में बस पूरी तरह से जलकर राख हो गई। बस मालिक अब्दुल सलाम खान ने बताया कि हादसे के वक्त बस में कुल 32 यात्री मौजूद थे उनमें से 22 यात्रियों से बात हो गई है। हालांकि, सभी यात्री खतरे से बाहर हैं लेकिन कुछ मामूली रूप से झुलसे हैं, जबकि 10 यात्रियों से सम्पर्क नहीं हो पाया है। इनका पता लगाने की कोशिश की जा रही है। फायर ब्रिगेड की दर्जनों गाड़ियां देर शाम तक घटनास्थल और उसके आस-पास पास इलाके में आग बुझाती रहीं।

ब्लास्ट के बाद चारों ओर लोगों की चीख-पुकार मच गई। आग की चपेट में आए 40 से अधिक वाहनों में सवार लोगों ने अपनी जान बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन उसके बावजूद वे आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धमाके के साथ लगी आग की चपेट में आए लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। चारों ओर अधजले और घायल लोगों की चीख-पुकार सुनाई दे रही थी।

एस.एम.एस. अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर सुशील भाटी ने बताया कि पहले 2-3 मरीज आए थे, इसके बाद अचानक बहुत सारे मरीज लाए गए। भर्ती मरीजों में 10 से 12 मरीज ऐसे हैं, जो 60 प्रतिशत से ज्यादा जले हैं। 7 मरीज अभी वेंटिलेटर पर हैं। जबकि 12 मरीजों की मौत हो गयी है, इनमें से सिर्फ 6 लोगों की पहचान हुई है, शेष 5 मृतकों की पहचान के प्रयास किए जा रहे है।

'नीमराना व घीलोठ राजस्थान के लिये ग्रोथ इंजन हैं'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जापानी ज़ोन के प्रतिनिधियों से विकास पर चर्चा की

नीमराना/जयपुर, 20 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को नीमराना और घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र की कम्पनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक ली।

- **जेट्रो के डायरेक्टर जनरल ताकाशी सुज़ूकी ने कहा, नीमराना के जापानी ज़ोन में जापानी कम्पनियों का बेहतरीन अनुभव रहा है।**

नीमराना के जापानी ज़ोन में स्थित डाइकिन कम्पनी के सभागार में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नीमराना व घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र राजस्थान की अर्थव्यवस्था में ग्रोथ इंजन साबित हो रहे हैं। देश के पहले जापानी ज़ोन, नीमराना में 51 जापानी कम्पनियां स्थापित हैं। जिनके माध्यम से करीब 27 हजार से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल बिज़नेस एक्सपो में 7 जापानी कम्पनियों एवं जेट्रो ने जापान पैवेलियन में हिस्सेदारी की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में "ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस" पर विशेष जोर है। प्रक्रियाओं और नीतियों को सरल बनाया जा रहा है। हमने 10 नई नीतियां जारी की हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जापानी कम्पनियों के राजस्थान में निवेश करने के रूझान को देखते हुए दूसरा जापानी ज़ोन घीलोठ में स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि नीमराना और घीलोठ में करीब 150 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्य शीघ्र प्रारम्भ किए जा रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र नीमराना व घीलोठ में लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से 132 केवी जीएसएस नीमराना जनरल ज़ोन, 132 केवी जीएसएस जापानी ज़ोन, 220 केवी जीएसएस घीलोठ और कोलिला जोगा में 33 केवी जीएसएस की स्थापना की जाएगी। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र घीलोठ में करीब 19 करोड़ की लागत से एनएच-48 से औद्योगिक क्षेत्र घीलोठ तक लिंक रोड का सुदृढ़ीकरण और स्ट्रीट लाइट के कार्य करवाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नीमराना में बहुमुखी विकास के साथ खुशखेड़ा, भिवाड़ी, नीमराना औद्योगिक क्षेत्र को डीएमआईसी नोड बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि उद्योगों में सौर ऊर्जा का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। बांदीकुई में भी जल्द ही औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 11 सितम्बर को भारतीय दूतावास टोक्यो एवं जेट्रो के सहयोग से टोक्यो (जापान) में नीमराना दिवस मनाया गया। इसी तरह राज्य सरकार और रीको की भागीदारी से प्रतिवर्ष 11 सितम्बर को नीमराना दिवस मनाया जाएगा।

जेट्रो के डायरेक्टर जनरल ताकाशी सुज़ूकी ने कहा कि नीमराना औद्योगिक क्षेत्र के जापानी ज़ोन में जापानी कम्पनियों का बेहतरीन अनुभव रहा है। भविष्य में जापानी कम्पनियों के द्वारा राज्य में और निवेश किया जाएगा। उन्होंने राइजिंग राजस्थान समिट आयोजन को निवेशकों के लिए अच्छा अवसर बताया।

इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, विधायक डॉ. जसवन्त सिंह यादव, देवीसिंह शेखावत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त रोहित गुप्ता, रीको के प्रबंध निदेशक इन्द्रजीत सिंह, संभागीय आयुक्त रश्मि गुप्ता, जिला कलक्टर कोटपूतली-बहरोड़ कल्पना अग्रवाल, बीड़ा भिवाडी सीईओ अतुल प्रकाश, नीमराना इंडस्ट्रीयल एसोसिएशन अध्यक्ष कृष्ण गोपाल कौशिक, लघु उद्योग भारती नीमराना अध्यक्ष के.के यादव, घीलोठ मन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन महासचिव राजा सोनी, हीरो मोटोकॉर्प से पराग गोयल, डाइकिन प्लांट हेड संदीप भट्टाचार्य सहित विभिन्न पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

नीमराना के जापानी ज़ोन में मुख्यमंत्री ने जापानी कम्पनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा व अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

कोटा में कोचिंग छात्र ने आत्महत्या...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जानकारी मृतक छात्र के परिजनों को दे दी गई। उन्होंने बताया कि परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

थाना अधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि छात्र रात को अपने रूम में जाकर सो गया था। शुक्रवार सुबह देर तक जब वह नहीं जगा तो हॉस्टल के स्टॉफ ने दरवाजा खटखटाया।

इस बीच जब अंदर से कोई आवाज नहीं आई तो उन्हें शक हुआ। दरवाजा खोलने के बाद मृत छात्र फंदे पर लटका मिला। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है और न ही मौके से कोई सुसाइड नोट मिला है।

इस घटना के बाद एक बार फिर हॉस्टलों पर सवालिया निशान लग गया है। हॉस्टल रूम में हैंगिंग डिवाइस का न होना सामने आया है।

भागवत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आये थे, अपने साथ अपनी निष्ठाएं लेकर आये थे और वे चाहते हैं कि उनका पुराना शासन लौट आये।

उन्होंने स्पष्टता एवं दृढ़ता के साथ कहा, "लेकिन अब यह देश संविधान के अनुसार चलता है। इस व्यवस्था में, जनता अपने प्रतिनिधि चुनती है, जो सरकार चलाते हैं। आधिपत्य का जमाना बीत चुका है।"

उन्होंने कहा कि मुगल बादशाह औरंगजेब का शासन काल इस प्रकार घोर निष्ठा के लिये जाना जाता, जबकि उन्हीं के वंशज बहादुर शाहजफर ने 1857 में गो-वध पर रोक लगा दी थी।

उन्होंने कहा, "यह तय हो गया था कि अयोध्या का राम मंन्दिर हिन्दुओं दे दिया जाना चाहिये, लेकिन अंग्रेजों ने इस बात को भाँप लिया तथा दोनों समुदायों के बीच दरार पैदा कर दी। उसी समय से, "अलगाववाद" का यह भाव अस्तित्व में आया। और परिणामस्वरुप, पाकिस्तान अस्तित्व में आ गया।"

भागवत ने पूछा कि अगर हर व्यक्ति स्वयं को भारतीय मानता है, तो फिर "प्रभुत्व की भाषा" क्यों काम में ली जा रही है। आर.एस.एस. प्रमुख ने कहा "अल्पसंख्यक कौन हैं और बहुसंख्यक कौन है? यहाँ सब व्यक्ति बराबर हैं। इस देश की परम्परा रही है कि सभी लोग अपनी-अपनी पूजा-पद्धति का अनुसरण कर सकते हैं। एकमात्र जरुरत मिलकर रहने तथा नियमों कानूनों के अनुसार चलने की है।"

देखना यह है कि भागवत की यह मर्यादित एवं गंभीर शब्दावली आगामी सप्ताहों और महीनों में आर.एस.एस. तथा हिन्दुत्व के अन्य अनुयाइयों की लड़ाई-झगड़े वाली प्रवृत्ति को शांत करने की दिशा कितनी कारगर होती है?

मुख्यमंत्री ने सहायता राशि की घोषणा की

जयपुर, 20 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भांकरोटा में हुए टैंकर हादसे में घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों से सम्पूर्ण घटनाक्रम की जानकारी ली तथा अधिकारियों को त्वरित सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने वहां चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों का भी निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए, बिना समय गंवाए, 7: 45 पर एस.एम.एस. अस्पताल घायलों को देखने पहुँचे।

इसके तुरंत बाद, वे 8:45 पर घटनास्थल का दौरा करने के लिए रवाना हो गए।

घटना स्थल पर पहुँचते ही, उन्होंने सभी मृतकों एवं घायलों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए, हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। वहीं, मुख्यमंत्री शर्मा ने पुलिस अधिकारियों एवं अस्पताल के डॉक्टरों को निर्देश दिए तथा तुरंत हेल्पलाइन नंबर जारी करने के निर्देश दिए । मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए, मृतकों एवं घायलों को सहायता राशि की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने जयपुर जिला कलेक्टर को निर्देश देकर जाँच कमेटी तुरंत गठित कर दी। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एंव गृहमंत्री अमित शाह को मामले की जानकारी दी । ये मामला मुख्यमंत्री की सक्रियता एवं अतिसंवेदनशीलता दर्शाता है ।

इस दौरान, शर्मा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यह हादसा बेहद दुखद है। राज्य सरकार इसकी उचित जांच करवाएगी। उन्होंने मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि ईश्वर शोक संतप्त परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुखद टैंकर हादसे पर संवेदनशीलता दिखाते हुए, राज्य सरकार की ओर से मृतकों के परिवार को 5 लाख रुपये एवं गंभीर घायलों को 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि देने की घोषणा की है। वहीं,

- **दुर्घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री भजनलाल ने अस्पताल व घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने मृतकों के परिवारों को 5-5 लाख रूपये व गंभीर घायलों को 1 लाख रूपयों की सहायता की घोषणा की।**

प्रधानमंत्री सहायता कोष से 2 लाख रुपए, भारत पेट्रोलियम की ओर से 6 लाख रुपये की सहायता करवाई।

मुख्यमंत्री सुबह सबसे पहले घायलों की जानकारी लेने के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचे। शर्मा ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर एवं अस्पताल प्रशासन को सभी घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की।

इस, दौरान उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ सहित, कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

ओम प्रकाश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चौटाला के पौत्र एवं रानिया के विधायक अर्जुन चौटाला ने बताया कि उनका पार्थिव शरीर को आज गुरुग्राम से तेजाखेड़ा फार्म हाउस लाया जाएगा। शनिवार यानी 21 दिसंबर को राजकीय सम्मान के साथ पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला का अंतिम संस्कार गांव चौटाला में किया जाएगा।

इससे पहले शनिवार सुबह आठ से अपराह्न दो बजे तक उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शनों के लिए तेजाखेड़ा फार्म हाउस पर रखा जाएगा।

गैंगरेप दोषी को पत्नी की देखभाल के लिये पैरोल

जयपुर, 20 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अलवर के थानागाजी में पति के सामने महिला से गैंगरेप करने के आरोप में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे कैदी इंद्राज को तीस दिन के आकस्मिक पैरोल पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने अभियुक्त को कहा है कि वह पैरोल अवधि बीतने पर जेल प्रशासन के समक्ष सरेंडर करे। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश इंद्राज की ओर से अपनी पत्नी के जरिए दायर पैरोल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि पैरोल नियम,

- **आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे अभियुक्त ने गर्भवती पत्नी की देखभाल के लिये जमानत मांगी थी।**

2021 में पत्नी की डिलीवरी के आधार पर कैदी की रिहाई का प्रावधान है। ऐसे में मानवीय आधार पर याचिकाकर्ता को आकस्मिक पैरोल का लाभ देना उचित है। याचिका में अधिवक्ता गोविंद प्रसाद ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की पत्नी गर्भवती है और चिकित्सकों ने उसके प्रसव की अनुमानित तिथि 21 दिसंबर बताई है। उसकी पत्नी की देखरेख करने वाला कोई नहीं है और उसे इस मौके पर पत्नी के साथ रहना चाहिए। इसलिए उसने जेल प्रशासन के समक्ष प्रार्थना पत्र पेश किया था, लेकिन जेल अधीक्षक ने गत 5 नवंबर को उसका प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया।

भारत ने बाँग्लादेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थीं। महफूज़ ने 2024 के विरोध प्रदर्शनों को भी उन्हीं नीतियों का परिणाम बताया था तथा भारत पर बाँग्लादेश की निर्भरता कम करने के प्रयासों पर जोर दिया था। महफूज़ ने पोस्ट में कहा था कि बाँग्लादेश को सच्ची स्वतंत्रता एवं मुक्ति प्राप्त करने के लिये, वर्तमान दबावों तथा नियंत्रणों से मुक्त होना होगा तथा अपने जमीनी क्षेत्र का विस्तार करना होगा। आलम ने कहा कि यह तो उनके (बाँग्लादेश) के प्रयासों की मात्र शुरुआत है।

प्रसंगवश बता दें कि सितम्बर में न्यूयॉर्क में आयोजित "क्लिंटन ग्लोबल इनिशिएटिव" के एक समारोह में यूनुस ने महफूज़ को "बाँग्लादेश में हुये उन विरोध प्रदर्शनों का मास्टरमाइंड बताया था, जिनके चलते शेख हसीना सत्ता से बेदखल हुईं।

नई दिल्ली ने बाँग्लादेश को एक कड़ा संदेश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि "भारत सभी संबंधितों को यह याद दिलाना चाहेगा कि वे अपनी सार्वजनिक टिप्पणियों में सावधानी बरतें। जहाँ भारत, बाँग्लादेश की जनता और अंतरिम सरकार के साथ संबंधों को प्रोत्साहित करने में रूचि रखने के संकेत कई बार दे चुका है, वहीं ऐसी टिप्पणियाँ सार्वजनिक बयानों जिम्मेदारी की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।"

बाँग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं को निशाना बनाये जाने की रिपोर्टों के बीच, पिछले सप्ताहों में अपने पूर्व पड़ोसी के साथ भारत के संबंधों में तनाव आया है। अभी हाल ही में, बाँग्लादेश के राजनेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विजय दिवस वाली पोस्ट का बुरा माना था, जिसमें उन्होंने 1971 में पाकिस्तान पर निर्णायक पाने के लिये भारतीय सेना के शौर्य को याद किया था, किन्तु बाँग्लादेश के राजनेताओं, जिनमें यूनुस के नेतृत्व वाली कार्यवाहक सरकार के सदस्य शामिल थे, ने मोदी की आलोचना की थी तथा कहा था कि देश के उस स्वतंत्रता संघर्ष में भारत "मात्र एक सहायक" था।

हाल ही के दिनों में, बाँग्लादेश ने अपनी पूर्व प्रधानमंत्री की भारत में मौजूदगी पर आपत्ति दर्शायी है, जो अपने निर्वासन के दौरान 5 अगस्त से भारत में ही हैं।

जयपुर ग्रामीण के मतों की पुनर्गणना पर हाई कोर्ट ने जवाब मांगा

जयपुर, 20 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर ग्रामीण लोकसभा चुनाव के मतों की पुन: गणना करने से जुड़े मामले में जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग ऑफिसर और विजय प्रत्याशी सांसद राव राजेन्द्र सिंह सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की एकलपीठ ने यह आदेश कांग्रेस के पराजित प्रत्याशी अनिल चोपड़ा की चुनाव याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।याचिका में अधिवक्ता संजय शर्मा ने

- **हाई कोर्ट ने यह आदेश कांग्रेस के पराजित प्रत्याशी अनिल चोपड़ा की चुनाव याचिका पर प्रारम्भिक सुनवाई करते हुए दिया।**

अदालत को बताया कि जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के चुनाव में याचिकाकर्ता को 1615 मतों से पराजित बताया गया था, जबकि निर्वाचन विभाग की उसी दिन जारी नोट शीट में 2738 बैलट खारिज होना बताया गया। याचिकाकर्ता की ओर से इस संबंध में रिटर्निंग ऑफिसर को शिकायत भी दी गई, लेकिन रिटर्निंग ऑफिसर ने 1225 बैलट ही खारिज होना बताकर पुन: मतगणना से इनकार कर दिया। याचिका में कहा गया कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत, निर्वाचन विभाग को खारिज मतपत्र प्रत्याशी को दिखाने होते हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था, दो अलग दृष्टिकोण, ना दोनों पूरे सत्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सैक्टर के प्रदर्शन के आधार पर वृद्धि में कमी की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है। बतौर वित्त मंत्री वे इतनी निराशावादी नज़र नहीं आ सकती थी उन्होंने उम्मीद जताई की जल्दी ही ग्रोथ रेट बढ़ जाएगी।

इसी बीच कुछ प्रमुख भारतीय उद्योगपतियों एवं व्यवसायियों ने हाल ही में नई दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम में भरोसा जताया कि ग्रोथ रेट में गिरावट अधिक थी, यह संरचनात्मक या आधारभूत बदलाव नहीं था।

जब दो परस्पर विरोधी राजनैतिक खेमे लड़ रहे हो तो बेहतर होगा वे निष्पक्ष जज के पास जाएं और आर्थिक मामलों में रिज़र्व बैंक से बेहतर जज कौन हो सकता है।

मौद्रिक नीति के साथ अपने बयान में रिज़र्व बैंक ने कहा था कि निकट भविष्य में ग्रोथ की संभावनाएं मंद हैं। इसका मुख्य कारण है लगातार बढ़ती मंहगाई।

बढ़ती मंहगाई बड़ी समस्या है। इसके लिए विशेषज्ञों व अर्थशास्त्रियों के पास जाने की जरुरत नहीं है। बढ़ती मंहगाई की पुष्टि तो सभी करेंगे। खाद्य पदार्थों के दाम बढ़े है, परिवारों के लिए घर खर्च चलाना मुश्किल पड़ रहा है। खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ रही है जबकि इस समय जब सर्दी की फसल बाजार में आ जाती है तो दाम कम हो जाते हैं, पर इस बार ऐसा नहीं हुआ है।

कन्ज्यूमर प्राइस इन्डैक्स (सी.पी.आई.) के अनुसार जुलाई - अगस्त में मंहगाई 3.6 प्रतिशत के औसत से बढ़ी थी सितम्बर में यह औसत 5.5 प्रतिशत हो गया और अक्टूबर में यह 6.2 प्रतिशत हो गया जो कि सितम्बर 2023 के बाद से वर्ष के उच्चतम स्तर है यह रिज़र्व बैंक के मंहगाई के लक्ष्य से 4 प्रतिशत से काफी अधिक है। सवाल है कि मंहगाई की दर विकास की संभावनाओं से सम्बंधित क्यों है।

अन्य देशों खासकर चीन की तुलना में भारतीय अर्थव्यव्था घरेलू खपत के आधार पर बढ़ी है। रिज़र्व बैंक के अनुसार मंहगाई खपत प्रभावित हो रही है जो कि विकास का प्रमुख इंजन है।

रिज़र्व बैंक कहता है लगातार मंहगाई बढ़ने से उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति कम हो जाती है, इससे खपत व निवेश की मांग पर विपरीत असर पड़ता है। इसलि मूल्य स्थिरता जरुरी है दीर्घकालीन ग्रोथ के लिए। रिज़र्व बैंक का मत है कि रबी की फसल बाजार में आने से मंहगाई कम होगी।

मूल्य स्थिर होने से औद्योगिक क्षेत्र का प्रदर्शन भी बेहतर होगा जो अर्थव्यवस्था को गति देगा।

रिज़र्व बैंक के अनुसार मौजूदा संकेत के अनुसार दूसरी तिमाही में घरेलू आर्थिक गतिविधियों की मंदी ने गहराई में जड़े जमा ली थी। उसके बाद त्यौहारी मांग से हालात सुधरे था।

उम्मीद की जा रही है कि औद्योगिक गतिविधि जो पिछली तिमाही में निम्नस्तर पर थी उससे सुधरकर सामान्य स्तर पर आ जाएगी।

खनन और विद्युत क्षेत्र भी मानसून के बाद सामान्य होने की उम्मीद है। मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर के लिए परचेज़िंग मैनेजर इंडैक्स नवम्बर में 56.5 रही जो औद्योगिक क्षेत्र में सक्रियता बढ़ने का संकेत है। आपूर्ति श्रृंखला का दबाव अक्टूबर नवम्बर में कम होने व एतिहासिक स्तर से नीचे आने की संभावना है। सेवाओं के लिए पी.एम.आई. नवम्बर में 58.4 स्थिर रहा, जो निरंतर विस्तार को दर्शाता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में अचानक मंदी आई पर अगले साल इसमें उछाल आ सकता है। मांग पक्ष की बात करे तो ग्रामीण मांग बढ़ रही है और शहरी मांग में कुछ कमी दिख रही है। सरकारी खपत बढ़ रही है निवेश भी बढ़ रहा है। अक्टूबर 2024 में निर्यात में 17.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि सेवा निर्यात में भी काफी वृद्धि हुई।

सतर्कता बरतते हुए 2024 के लिए आर.बी.आई. ने वास्तविक जी.डी.पी. ग्रोथ 6.0 प्रतिशत बताई है जो पूर्वानुमान से कम है लेकिन भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए इतनी बुरी भी नहीं है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908